महिंद्रा ने कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स का शुभारंभ किया

• महिंद्रा के कृष–ई चैंपियन अवार्ड्स कृषि और संबंधित सेवाओं में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को दिए जाते हैं • पुरस्कारों के उद्घाटन संस्करण में 10 राष्ट्रीय पुरस्कार दिए गए

महिंद्रा एंड महिंद्रा के फार्म इक्विपमेंट सैक्टर, जो भारत का प्रमुख ट्रैक्टर निर्माता है और 19.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले महिंद्रा समूह का घटक है, ने कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स के विजेताओं की घोषणा 31 जनवरी 2021 को की। वर्ष 2011 में स्थापित महिंद्रा समृद्धि इंडिया एग्री अवार्ड्स (एम.एस.आई.ए.ए.) की सोच को आगे बढ़ाते हुए, कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स के अंतर्गत इसके प्रथम संस्करण में चार श्रेणियों में 10 विजेताओं को राष्ट्रीय अवार्ड्स प्रदान किए गए।

खरीफ और रबी के मौसमों के अनुरूप अर्द्ध-वार्षिक रूप से आयोजित, कृषि-ई चैंपियन अवार्ड्स उन व्यक्तिगत किसानों और संस्थानों को दिए जाते है जिन्होंने कृषि के क्षेत्र में चुनौतियों को स्वीकार करके, अभिनव सोच एवं सकारात्मक बदलाव लाकर असाधारण योगदान दिए है। कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स के जरिए, महिंद्रा का उद्देश्य लाखों किसानों और कृषि-उद्यमियों को राष्ट्र के लिए आशाजनक भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित करना है।

भारत के 29 कृष-ई सेंटर्स के किसानों ने कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स के क्षेत्रीय राउंड में हिस्सा लिया। क्षेत्रीय अवार्ड विजेताओं को अग्रलिखित श्रेणियों में राष्ट्रीय अवार्ड्स के लिए नामित किया गया - तकनीक चैंपियन अवार्ड, महिला किसान चैंपियन अवार्ड, युवा किसान चैंपियन अवार्ड, रेंटल पार्टनर चैंपियन अवार्ड और रेंटल पार्टनर बी2बी पार्टनर चैंपियन अवार्ड।

इस अवसर पर, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सैक्टर के प्रैसीडेंट हेमंत सिक्का ने कहा कि, "असाधारण कार्य करने वालों की ज़मीनी स्तर पर सम्मानित करने की सुदृढ़ परम्परा को आगे बढ़ाते हुए और अब तक के समृद्धि अवार्ड्स की भारी सफलता के क्रम को बनाए रखते हुए, अब हमें कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स को लॉन्च करने की खुशी है। यह लगभग एक दशक तक किसानों को सम्मानित करने की विरासत पर निर्मित है और हमें विश्वास है कि इन अवार्ड्स से भावी चैंपियन किसानों को प्रेरणा मिलेगी और भारत के कृषि क्षेत्र में बदलाव की गति तीव्र होगी।"

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रैसीडेंट एफ.ई.एस. स्ट्रेटजी और एफ.ए.ए.एस. रमेश रामचंद्रन के अनुसार, "हमने, कृषि एग्रोनॉमी, यंत्रीकरण एवं डिजिटलीकरण का लाभ दिलाने वाली कृषि सेवाएं उपलब्ध करवा कर कृषि परिणामों में बदलाव लाने के लिए कृष-ई ब्रांड लॉन्च किया। अब तक कृष-ई के चलते किसानों की आय 15 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है, कृषि की लागत में लगभग 8-12 प्रतिशत की कमी आई और लाभ में प्रति एकड़ 6000 रुपए तक की वृद्धि हुई। यह उन प्रगतिशील किसानों के जज्बे को दर्शाता है, जिन्होंने आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकें अपनाई है और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए नई पद्धतियों को अपनाया है। हम चार प्रतिष्ठित पुरस्कार श्रेणियों के जरिए इन किसानों की उन्नति का जश्न मनाते है, जिन्होंने हमारे साथ मिल कर यह पहला और अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया।"

'एक्सपर्ट तकनीक, नये उपाय, परिणाम दिखाये' की टैगलाइन वाला, कृष-ई महिंद्रा एंड महिंद्रा की फार्मिंग अस अ सर्विस (FaaS) व्यवसाय है, जो किसानों को प्रगतिशील, किफायती और सुगमतापूर्वक हासिल की जाने योग्य तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराता है। कृष-ई का उद्देश्य, सम्पूर्ण फसल-चक्र के दौरान डिजिटल सेवाओं के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाना है। इन सेवाओं मे कृषि परामर्श, किराये पर उन्नत कृषि उपकरण (रेंटल इक्विपमेंट) की उपलब्धाता और आधुनिक प्रेसिजन फार्मिंग समाधान शामिल है, जिनमें से सभी कुल लागत को कम करके और कृषि पैदावार में वृद्धि करके किसानों की आमदनी बढ़ाने पर केंद्रित है।

अब अनेक महिंद्रा डीलरशिप्स में कृष-ई सैंटर्स मौजूद है, जो किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे मे परामर्श, मृदा परीक्षण सुविधाएं, डेमॉन्स्ट्रेशन प्लांट्स, इक्विपमेंट रेंटल सॉल्यूशंस और प्रेसिजन फार्मिंग समाधानों जैसी सेवाओं को आसानीपूर्वक सुलभ करवाते है और साथ ही कृषि कार्य हेतु उपयोगी बीजों एवं रसायनों, ड्रिप इरीगेशन उपकरण, ट्रैक्टर्स, हार्वेस्टर्स व अन्य कृषि उपकरणों की सेल्स एवं सर्विसिंग सेवाएं भी उपलब्ध करवाते है।

कृष-ई चैंपियन अवार्ड्स के राष्ट्रीय विजेताओं के नाम इस प्रकार है :

महिला किसान अवार्ड - सलोमी लकरा (रांची); **युवा किसान अवार्ड** - हर्षल साहेबराव लम्बत (वर्धा); **तकनीक चैंपियन किसान अवार्ड** - मोहम्मद मिनहाज आलम (बिहारशरीफ), बुक्का आनंद (महबूबनगर), अजय सिंह (बेरी); **रेंटल पार्टनर चैंपियन अवार्ड** - सचिन रघुवंशी (विदिशा), अजय यादव (शिवरायपुर), सुरेन्द्र यादव (बाढ़), विपुल; **रेंटल बी2बी पार्टनर चैंपियन अवार्ड (विशेष सम्मान)** - विपुल पटेल (गांधीनगर), कुलदीप सिंह (पंजाब)

महिंद्रा के विषय में : महिंद्रा ग्रुप 19.4 बिलियन यू.एस. डॉलर वाला कम्पनियों का संघ है, जो नये-नये मोबिलिटी समाधानों के जरिए और ग्रामीण समृद्धि, शहरी रहन-सहन को बढ़ाते हुए, नये व्यवसायों को प्रोत्साहन देकर और समुदायों की सहायता के जरिए लोगों को राइज अर्थात् उत्थान करने में सक्षम बनाता है। इसका उपयोगिता वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी और वैकेशन ओनरशिप में अग्रणी स्थान है और यह वॉल्युम की दृष्टि से दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर कम्पनी है। कृषि-व्यवसाय, एयरोस्पेस, कल-पुर्जे, परामर्श सेवाओं, प्रतिरक्षा, ऊर्जा, औद्योगिक सेवाओं, लॉजिस्टिक्स, ज़मीन-जायदाद, खुदरा, इस्पात और दोपहिये उद्योगों में महिंद्रा की महत्वपूर्ण मौजूदगी है। महिंद्रा का मुख्यालय भारत में है और ये 100 से अधिक देशों में है और इसमें 2,56,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है।